

प्रेषक,

राकेश शर्मा,  
अप. मुख्य सचिव  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
नागरिक उड्डयन निदेशालय,  
जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट, देहरादून।

नागरिक उड्डयन अनुभाग

देहरादून: दिनांक 25 सितम्बर, 2014

विषय:- वित्तीय वर्ष 2014-15 में नागरिक उड्डयन विभाग को पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1200/लेखा/बजट/2014-15 दिनांक 2 जून, 2014 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय व्ययक के अन्तर्गत नागरिक उड्डयन विभाग में जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट के लिए अधिग्रहीत भूमि के प्रतिकर के भुगतान मद में रु0 31200000 करोड़ (रु0 तीन करोड़ बारह लाख मात्र) की धनराशि को संलग्न बी0एम0-9 प्रपत्र में उल्लिखित बचतों से पुनर्विनियोग के माध्यम से स्वीकृत किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि का व्यय केवल उसी मद में किया जायेगा जिसके लिए स्वीकृति प्रदान की जा रही है।
- (ii) उक्तानुसार आवंटित धनराशि किसी अन्य मद में व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन या अन्य समकक्ष अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा।
- (iii) इस सम्बन्ध में व्यय करते समय बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका और स्टोर पर्चेज रूल्स डी0जी0एस0 एण्ड डी0 मितव्ययता के नियमों में समय-समय पर निर्गत आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।
- (iv) जो देयक प्री आडिट में आ गये हैं उनकी प्री आडिट वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड-5 के भाग-1 के नियम 74 के अनुसार पूर्व सम्परीक्षा करके ही नियमानुसार भुगतान की कार्यवाही की जायेगी।
- (v) उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययता को दृष्टिगत रखते हुए नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जायेगा।
- (vi) स्वीकृत की जा रही धनराशि के केवल लम्बित देयताओं का ही भुगतान किया जायेगा और स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2015 तक उपयोग

कर लिया जायेगा अप्रयुक्त धनराशि का बजट मैनुअल के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित करें।

(vii) स्वीकृत की जा रही धनराशि में से विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी को भुगतान की तिथि तक जितनी धनराशि व्यय होगी उसी की स्वीकृति प्रदान की जायेगी। शेष धनराशि समर्पित की जायेगी तथा सम्बन्धित 09 वादों में उक्त स्वीकृत की जा रही धनराशि के विरुद्ध वास्तविक भुगतान की गयी धनराशि का व्यय विवरण उपलब्ध कराया जायेगा।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के अनुदान संख्या-24 के लेखा शीर्षक 5053-नागर विमानन पर पूंजीगत परिव्यय के अन्तर्गत संलग्न बी0एम0-9 में उल्लिखित मदों के नामों डाला जायेगा तथा पुनर्विनियोजन संलग्न प्रपत्र बी0एम0-9 के स्तम्भ 4 की बचतों से किया जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-332/XXVII(2)/2014 दिनांक 29 अगस्त, 2014 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहें हैं।

संलग्नक: प्रपत्र-बी0एम0-9

भवदीय

(राकेश शर्मा)

अपर मुख्य सचिव

संख्या-143(1)/2014/09/IX/2014 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड (ए एण्ड ई) ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
2. महालेख कार (आडिट) उत्तराखण्ड, वैभव पैलेस, सी-1/105 इन्दिरानगर, देहरादून।
3. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण, सहस्त्रधारा हैलीड्रोम, देहरादून।
4. अपर मुख्य सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
5. मुख्य केषाधिकारी, देहरादून।
6. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
7. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड देहरादून।
8. गार्ड फाईल।
9. जिलाधिकारी, देहरादून।

आज्ञा से,

(प्रकाश चन्द्र जोशी)

अनु सचिव।